दैनिक जागरण

30 जुलाई 2018

www.jagran.com

बजरंग पूनिया ने तुर्की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिया में जीता स्वर्ण 8

ट्राईसिटी के संयुक्त प्रयास बनाएंगे शहर को सुरक्षित : बेनीवाल

निर्भया केस के बाद दिल्ली में महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई कठोर कदम उठाए गए। नियमों को सख्त बनाने के साथ महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। महिलाओं की इस सुरक्षा के पीछे संजीदगी दिखाने वाले जो शख्स थे, वह 1989 बैच के आइपीएस अधिकारी संजय बेनीवाल थे। 28 जून को बेनीवाल ने चंडीगढ़ के डीजीपी की कमान संभाली। दिल्ली में बेहतर रिजल्ट देने वाले डीजीपी **संजय बेनीवाल** ने चंडीगढ़ में महिला सुरक्षा, अपराध, अपराधियों पर शिकंजा, ट्रैफिक सिस्टम, विभागीय उथल-पुथल सहित ट्राईसिटी समन्वय पर दैनिक जागरण संवाददाता **कुलदीप शुक्ला** से बेबाकी से बातचीत की।

सप्ताह का साक्षात्कार

कहा : महिलाओं को गुड-बैड बिहेवियर समझने और सेल्फ डिफेंस के दिए जाएंगे टिप्स

जीवन परिचय

1989 बैच के अफसर संजय बेनीवाल एजीएमयूटी कैडर के आइपीएस है और चंडीगढ़ से पहले दिल्ली में बतौर स्पेशल कमिश्नर ऑपरेशन एंड वुमन सेफ्टी, एयरपोर्ट और मॉडर्नाइजेशन की कमान संभाल अच्छा रिजल्ट दिया। आइपीएस संजय बेनीवाल नॉर्थ दिल्ली में डीसीपी की पोस्ट पर तैनात रहे। इस दौरान उनके पास देश के सबसे बड़े इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट और ट्रैफिक की जिम्मेदारी थी। इसके अलावा वह कई अहम पोस्ट पर जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

• चंडीगढ़ में पोस्टिंग के बाद पहली सोच क्या दिमाग में आई?

-[illegible]

• दिल्ली में काम अच्छा रहा, चंडीगढ़ में महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए क्या करेंगे?

-दिल्ली एक बहुत बड़ा शहर बन चुका है, [illegible]

[illegible] मजाक, सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग, गुड एंड बैड बिहेवियर [illegible] किया जाएगा।

• पंजाब, हरियाणा, हिमाचल के बड़े अपराधी चंडीगढ़ में ज्यादातर अपना अड्डा बनाते हैं। हाल में ही गिरफ्तार गैंगस्टर दिलप्रीत इसका एक उदाहरण है। क्या आप मानते हैं कि कहीं न कहीं चूक रही है चंडीगढ़ पुलिस की?

-[illegible] अपराधियों का एक तरीका होता है, [illegible] टैलेंट और सिस्टम बढ़ाने की जरूरत है। [illegible] सके। समय लग सकता है पर सब काम संभव है और हम जरूर इस सिस्टम को बना देंगे।

• गवर्नर लेवल पर ट्राईसिटी पुलिस की मीटिंग कई बार हो चुकी है, पर अपराधियों पर अभी तक कुछ खास असर नहीं दिखा?

-हम सिर्फ चंडीगढ़ नहीं, बल्कि ट्राईसिटी के नजरिये से देखते हैं। ऐसा नहीं है कि चंडीगढ़ में ट्रैफिक सिस्टम बेहतरीन हो और पंचकूला बेहद खराब। ऐसा होगा तो विकास रुक जाएगा। शहर बड़ा होगा तो मुद्दा होगा कि शहर की चाल नहीं रुकने पाए, क्योंकि नहीं रुकने पाए। जरूरत है कि तीनों स्थानों पर कई चीजों का एक जैसा सिस्टम बन जाए। इसमें चैलेंज है, पर जरूर काम किया जाएगा।

• चंडीगढ़ की सड़कों पर बने साइकिल ट्रैक पर होमगार्डों की तैनाती थी, लेकिन अब उन्हें हटा दिया है?

-साइकिल ट्रैक चंडीगढ़ की खूबसूरती है। यह अच्छा प्वाइंट है और विभाग की तरफ से दोबारा से इस पर मीटिंग कर जल्द फैसला लिया जाएगा।

• चंडीगढ़ के पूर्व डीजीपी तेजिंदर सिंह लूथरा द्वारा सिलेक्ट होने के बाद हेड कांस्टेबल और एएसआइ के प्रमोशन को लेकर गवर्नर ने जांच के आदेश दिए थे, क्या हुआ?

-पूर्व डीजीपी तेजिंदर लूथरा के प्रमोशन की कार्रवाई नहीं, बल्कि प्रमोशन करने की टाइमिंग को देखते हुए गवर्नर ने तुरंत स्टे लगा दिया था।

• विभागीय प्रमोशन, सीनियर-जूनियर पद को लेकर पिछले कुछ समय से पुलिस विभाग काफी विवादों रहा। ऐसे विवाद को खत्म करने की कोई प्लानिंग?

-जी हां, [illegible] विभाग की तरफ से सब ऑनलाइन कर दिया जाएगा।

• साइकिल ट्रैक पर तैनात होंगे होमगार्ड

-चंडीगढ़ में अधिकतर साइकिल ट्रैक तैयार हो चुके हैं। [illegible] जाएगा। बाद में सख्ती की जाएगी।

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था काफी गड़बड़ होती जा रही है, बारिश के समय रोजाना जाम लग रहे हैं। एंबुलेंस के लिए भी कुछ खास इंतजाम नहीं है?

-शहर में व्हीकल बढ़े, गाड़िया बढ़ी, पर सड़कें नहीं बढ़ी है। जो ट्रैफिक समस्या की सबसे बड़ी वजह सामने आ रही है। इसके अलावा ट्रैफिक लाइटों की टाइमिंग को भी जल्द ही सिंक्रोनाइजेशन करवाने का प्रयास किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय के आदेश पर रिपोर्ट [illegible]

[illegible]

मेरी कमी खोजने वालों को देना होगा 70 साल का हिसाब

मोदी राहुल या कांग्रेस पर तंज कसने का मौका भी नहीं चूके। कहा, जो लोग मेरी कमियां खोज रहे हैं, उनको तो 70 साल की कमियां निकालेंगी, [illegible]

[illegible]